नीरू शर्मा की डेब्यू फिल्म 'बांद्रा बॉय' मिली पहचान

मनोरंजन पत्रकारिता से फिल्म निर्माण की दुनिया में कदम रखने वाली नीरू शर्मा की डेब्यू फिल्म 'बांद्रा बॉय' को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता मिली है. 21 मिनट की इस हिंदी थ्रिलर फिल्म को फ्रेम्स ऑफ न्यूयॉर्क फिल्म फेस्टिवल में सेमीफाइनलिस्ट चुना गया है, वहीं न्यूयॉर्क इंटरनेशनल वुमेन फेस्टिवल में इसे अवॉर्ड विनर के रूप में सम्मानित किया गया है.

यह उपलब्धि नीरू शर्मा के लिए विशेष महत्व रखती है, क्योंकि बांद्रा बॉय उनके निर्देशन की पहली फिल्म है. फिल्म मीडिया, जनधारणा और सच के बीच के जटिल संबंधों को केंद्र में रखती है. कहानी इस बात की पड़ताल करती है कि किस तरह मीडिया की सुर्खियां, सामाजिक पूर्वाग्रह और सार्वजनिक राय कई बार सच्चाई सामने आने से पहले ही किसी व्यक्ति की छवि तय कर देते हैं.

दो दशकों से अधिक समय तक बॉलीवुड और मनोरंजन जगत को कवर करने के बाद नीरू शर्मा ने फिल्म निर्माण की ओर रुख किया. उनका मानना है कि पत्रकारिता के दौरान देखे और समझे गए अनेक अनुभवों ने बांद्रा बॉय की कहानी को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए नीरू शर्मा ने कहा, 'एक निर्देशक के रूप में मेरी पहली फिल्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलना बेहद उत्साहजनक है. बांद्रा बॉय उन अनुभवों और सवालों से जन्मी कहानी है, जिन्हें मैंने वर्षों तक मीडिया और मनोरंजन जगत को करीब से देखते हुए महसूस किया. यह सम्मान मुझे आगे भी सार्थक और विचारोत्तेजक कहानियां कहने के लिए प्रेरित करता है. '

कुत्ते के काटने पर आकांक्षा रंजन पहुंचीं असली ग्राम चिकित्सालय

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन ने खुलासा किया है कि वेब सीरीज ग्राम चिकित्सालय की शूटिंग के दौरान उन्हें एक कुत्ते ने काट लिया था, जिसके बाद इलाज के लिए उन्हें एक वास्तविक ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र जाना पड़ा. आकांक्षा रंजन ने बताया कि वहाँ का अनुभव उनकी अपेक्षाओं से कहीं अधिक सकारात्मक रहा.

आकांक्षा ने बताया कि कुत्ते के काटने के बाद उन्हें रेबीज़ के दो इंजेक्शन लगाए गए. उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र बेहद साफ-सुथरा था और वहाँ के डॉक्टर तथा नर्सें प्रशिक्षित, देखभाल करने वाले और विनम्र थे. उन्होंने कहा कि इस अनुभव ने ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उनकी सोच बदल दी और वह इसे हमेशा याद रखेंगी.

आकांक्षा रंजन ने कहा कि इस वास्तविक अनुभव ने उन्हें उस दुनिया को और करीब से समझने का अवसर दिया, जिस पर ग्राम चिकित्सालय आधारित है. इससे उनके लिए शो का अनुभव और भी वास्तविक एवं यादगार बन गया.

जाह्नवी और खुशी ने अंशुला को दिया मेहंदी का सरप्राइज

अंशुला कपूर की मेहंदी समारोह पारिवारिक प्रेम, परंपरा और भावनाओं का खूबसूरत संगम बन गया. इस निजी समारोह का आयोजन जाह्नवी कपूर और खुशी कपूर ने सरप्राइज के रूप में किया, जिसकी जानकारी अंशुला को पहले से नहीं थी.

परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में आयोजित इस समारोह में अंशुला ने डिजाइनर अर्पिता मेहता द्वारा तैयार किया गया टील ब्लू लहंगा पहना. गुजरात की पटोला परंपरा से प्रेरित इस लहंगे में डिजाइनर की पहचान बन चुके मिरर वर्क को भी शामिल किया गया. यह अर्पिता मेहता का पहला पटोला-प्रेरित ब्राइडल लहंगा बताया गया है.

अंशुला ने कहा कि वह अपनी मेहंदी पर ऐसा परिधान पहनना चाहती थीं, जो उस परिवार के प्रति सम्मान व्यक्त करे, जिसका वह जल्द ही हिस्सा बनने जा रही हैं. उन्होंने बताया कि यह लहंगा गुजरात की पारंपरिक हस्तकलाओं का सुंदर संगम है.

अंशुला ने यह भी बताया कि उनकी बहनों जाह्नवी और खुशी ने पूरी मेहंदी समारोह की योजना गुप्त रूप से बनाई थी. उन्हें केवल इतना पता था कि कोई पारिवारिक आयोजन होने वाला है, लेकिन वहां पहुंचने पर मिले इस सरप्राइज ने उन्हें भावुक कर दिया. उन्होंने कहा कि परिवार और अपने प्रियजनों के प्यार से घिरा यह दिन हमेशा उनकी यादों में बसा रहेगा.

अंशुला कपूर और रोहन ठक्कर के विवाह समारोह की रस्में शुरू हो चुकी हैं और दोनों जल्द ही विवाह बंधन में बंधने वाले हैं.

वेलकम टू द जंगल ने कॉमेडी की बारीकियां सिखाईं : दिशा

बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी का कहना है कि फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' में काम करने के दौरान उन्होंने अक्षय कुमार, जॉनी लीवर और अरशद वारसी जैसे अनुभवी कलाकारों को देखकर कॉमेडी की बारीकियां सीखीं.दिशा ने कहा कि लोगों को हंसाना जितना आसान दिखाई देता है, उतना होता नहीं है. कॉमेडी सबसे कठिन शैलियों में से एक है और इसमें सब कुछ सहज तथा स्वाभाविक लगना सबसे बड़ी चुनौती होती है. उन्होंने कहा कि अक्षय कुमार, जॉनी लीवर और अरशद वारसी को काम करते देखना उनके लिए सीखने जैसा अनुभव रहा.

दिशा ने कहा कि इतने बड़े कलाकारों की टीम का हिस्सा बनना उनके लिए यादगार अनुभव रहा. उन्हें कॉमेडी बेहद पसंद है और फिल्म का भव्य पैमाना उन्हें सबसे अधिक आकर्षित करता है. उन्होंने कहा कि एक कलाकार के तौर पर उनका ध्यान प्रतिस्पर्धा पर नहीं, बल्कि अपने किरदार के साथ ईमानदारी से न्याय करने पर रहता है.

अपने अब तक के सफर पर बात करते हुए दिशा ने कहा कि एक अंतर्मुखी स्वभाव की होने के कारण खुद को दुनिया के सामने प्रस्तुत करना हमेशा आसान नहीं रहा, लेकिन हर चुनौती ने उन्हें और अधिक मजबूत, धैर्यवान तथा हर अवसर के प्रति आभारी बनाया है.

इब्राहिम अली के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी श्रीलीला

दक्षिण भारतीय फिल्मों की अभिनेत्री श्रीलीला के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर नई चर्चा सामने आई है. पहले उनके कार्तिक आर्यन के साथ हिंदी फिल्मों में पदार्पण करने की संभावना जताई जा रही थी, लेकिन अब रिपोर्ट्स के अनुसार वह इब्राहिम अली खान अभिनीत फिल्म 'दिलेर' से बॉलीवुड में कदम रख सकती हैं.चर्चा है कि कार्तिक आर्यन और निर्देशक अनुराग बसु की प्रस्तावित रोमांटिक फिल्म फिलहाल स्थगित कर दी गई है. ऐसे में श्रीलीला के डेब्यू की योजना में बदलाव हुआ है. अब वह निर्देशक कुनाल देशमुख के निर्देशन में बन रही फिल्म 'दिलेर' से हिंदी सिनेमा में पदार्पण कर सकती हैं. फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले हो रहा है. इसकी आधिकारिक रिलीज़ तिथि की घोषणा अभी नहीं हुई है, हालांकि इसे दिवाली 2026 के अवसर पर रिलीज़ किए जाने की संभावना जताई जा रही है.

श्रीलीला को पुष्पा 2: द रूल के बाद देशभर में व्यापक लोकप्रियता मिली. इसके बाद से ही उनके बॉलीवुड डेब्यू का इंतजार किया जा रहा था.

10 साल के लीप के साथ क्योंकि सास भी कभी बहू थी का नया अध्याय

समय के साथ परिवार बदल जाते हैं, रिश्तों में दूरियाँ आ जाती हैं और हर पीढ़ी दुनिया को अपने-अपने नज़रिए से देखने लगती है. लेकिन, हर परिवार को आखिरकार किसी ऐसे इंसान की ज़रूरत होती है, जो सबको साथ जोड़कर रख सके. जो लड़ाई की जगह समझदारी चुने, नाराज़गी की जगह माफी दे और कितनी भी मुश्किलें क्यों न आएँ, अपने परिवार को फिर से एक करने की कोशिश कभी न छोड़े. करोड़ों दर्शकों के लिए तुलसी हमेशा ऐसी ही रही है. क्योंकि सास भी कभी बहू थी

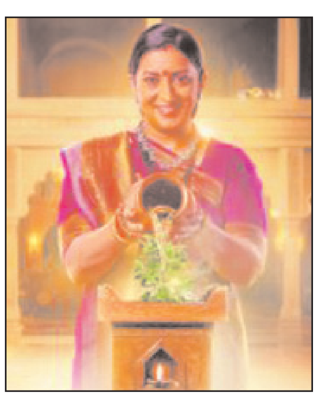

10 साल के लीप के साथ अपनी कहानी के एक नए और अहम् अध्याय की शुरुआत कर रहा है. ऐसे में, स्मृति ईरानी बताती हैं कि उनके मुताबिक आज भी हर परिवार को तुलसी जैसी शख्सियत की क्यों जरूरत है और यह किरदार आज भी पहले जितना ही प्रासंगिक क्यों है.

टेलीविजन

शीज़ान खान ने बताया शादीशुदा पुरुषों की अनकही जिम्मेदारी

पॉपुलर शो 'गंगा माई की बेटियां', जिसमें अमनदीप सिद्धू (स्नेहा) और शीज़ान खान (सिद्धू) लीड रोल में हैं, अपनी दमदार कहानी और समाज से जुड़े मुद्दों की वजह से लगातार दर्शकों का दिल जीत रहा है. महिलाओं के सशक्तिकरण से लेकर समाज के कई अहम पहलुओं को बडे संवेदनशील तरीके से दिखाने वाला यह शो अपनी सच्ची भावनाओं और रिश्तों से जुड़ी कहानियों के कारण लोगों से गहराई से जुड़ गया है. मौजूदा ट्रैक में 'गंगा माई की बेटियां' शादी के उस पहलू को सामने ला रहा है, जिसके बारे में बहुत कम बात होती है.

सोनाक्षी बत्रा बोलीं, 'अभी इससे भी बड़ा खेल बाकी है...'

'जगद्धात्री' इन दिनों लगातार दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है. एक तरफ शो में शिवाय (फरमान हैदर) और जगद्धात्री (सोनाक्षी बत्रा) की शादी का जश्न पूरे जोर-शोर से चल रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ कहानी में एक और बड़ा ट्रैक भी तेजी से आगे बढ़ रहा है. यह है जगद्धात्री का मूसा को ढूंढ़ निकालने का मिशन. जगद्धात्री के लिए मूसा तक पहुंचना उसके अब तक के सबसे बड़े और सबसे अहम मिशनों में से एक रहा है. कई सुरागों का पीछा करते हुए और सच के करीब पहुंचते हुए अब यह मिशन अपने सबसे अहम मोड़ पर आ पहुंचा है. आने वाले एपिसोड्स में दर्शक देखेंगे कि जगद्धात्री खुद मैदान में उतरकर मूसा का सामना करती है. यह आमना-सामना एक्शन, जज़्बात और ज़बर्दस्त ड्रामे से भरपूर होने वाला है.

लहू उघड़े ने नेकेड एंड अफ्रेड : आदिमानव में जीत हासिल की

कई दिनों तक चुनौतीपूर्ण जंगलों में राह खोजने, सीमित संसाधनों और लगातार बदलती परिस्थितियों से लड़ते हुए, लहू उघड़े ने वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के नेकेड एंड अफ्रेड : आदिमानव में जीत हासिल की है. अपने एवरेस्ट पर्वतारोहण और सालों के प्रकृति के बीच रहने के अनुभव की बदौलत लहू उघाड़े डिस्कवरी के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय रोमांचकारी सर्वाइवल फ्रैंचाइज़ी के भारतीय संस्करण को जीत सके. एशिया-पेसिफिक क्षेत्र में पहली बार पहुंचा यह शो आदिमानवों कि जीवनशैली और उनकी सूझबूझ, कर्मठता और जीवित रहने के कौशल से प्रेरित है. नेकेड एंड अफ्रेड : आदिमानव में विभिन्न पृष्ठभूमियों के छह प्रतिभागियों ने भाग लिया था जिन्हें फिलिपींस के भयावह और चुनौतीपूर्ण पलावन जंगल में उतारा गया था. इस यात्रा में उन्होंने विषम परिस्थितियों का सामना किया.

राजस्थान एसआई में होगी नई भर्ती

जुलाई अंत में होगी पीईटी परीक्षा

राजस्थान उप निरीक्षक एवं प्लाटून कमांडर भर्ती 2025 के तहत लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के लिए अब शारीरिक दक्षता परीक्षा का इंतजार जल्द समाप्त होने वाला है. भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी के अनुसार पीईटी परीक्षा जुलाई के आखिरी सप्ताह में आयोजित किए जाने की संभावना है. परीक्षा की आधिकारिक तिथि और एडमिट कार्ड जल्द जारी किए जाएंगे, जिसके बाद उम्मीदवार निर्धारित केंद्रों पर फिजिकल टेस्ट में शामिल होंगे.

पुलिस भर्ती प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण चरण माना जाता है. इस दौरान उम्मीदवारों की दौड़, शारीरिक सहनशक्ति और निर्धारित मानकों के अनुरूप फिटनेस का परीक्षण किया जाता है. जो अभ्यर्थी इस परीक्षा में सफल होंगे, वे भर्ती प्रक्रिया के अगले चरण के लिए पात्र बनेंगे. इसलिए लिखित परीक्षा पास कर चुके उम्मीदवारों को अब अपनी पूरी तैयारी शारीरिक दक्षता पर केंद्रित करनी चाहिए. पीईटी में सफलता के लिए नियमित दौड़, स्टैमिना बढ़ाने वाले व्यायाम, संतुलित आहार और पर्याप्त आराम बेहद जरूरी है. उम्मीदवारों को भर्ती नियमों में निर्धारित दूरी और समय सीमा के अनुसार अभ्यास करना चाहिए ताकि परीक्षा के दिन बेहतर प्रदर्शन किया जा सके. इसके साथ ही आधिकारिक वेबसाइट पर जारी होने वाले नोटिफिकेशन और एडमिट कार्ड से जुड़ी जानकारी पर भी लगातार नजर बनाए रखें.

अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि एडमिट कार्ड जारी होने के बाद उसमें दर्ज परीक्षा केंद्र, रिपोर्टिंग समय और आवश्यक दिशा-निर्देशों को ध्यान से पढ़ें. परीक्षा केंद्र पर समय से पहुंचें और अपने साथ प्रवेश पत्र तथा आवश्यक पहचान पत्र अवश्य रखें. राजस्थान पुलिस में उप निरीक्षक और प्लाटून कमांडर का पद युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय माना जाता है.

कोडिंग में करियर कितना शानदार है

तकनीक की दुनिया तेजी से बदल रही है और इसके साथ ही कोडिंग एवं प्रोग्रामिंग की मांग भी लगातार बढ़ रही है। स्मार्टफोन ऐप्स, वेबसाइट, ऑनलाइन बैंकिंग, ई-कॉमर्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे लगभग हर डिजिटल क्षेत्र की नींव कोड और प्रोग्रामिंग पर टिकी है। यही कारण है कि आज लाखों छात्र इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए उत्सुक हैं. कोडिंग का अर्थ है किसी प्रोग्रामिंग भाषा जैसे पाइथन,जावा, सी ++ का उपयोग करके कंप्यूटर के लिए निर्देश लिखना. दूसरी ओर, प्रोग्रामिंग एक व्यापक प्रक्रिया है, जिसमें समस्या को समझना, समाधान की योजना बनाना, एल्गोरिद्म तैयार करना, कोड लिखना, उसकी टेस्टिंग करना, त्रुटियों को दूर करना और समय-समय पर उसे अपडेट करना शामिल होता है. सरल शब्दों में कहा जाए तो हर प्रोग्रामर को कोडिंग करनी होती है, लेकिन हर कोडर प्रोग्रामर नहीं होता.

जहां तक करियर की बात है, कोडिंग सीखने के बाद उम्मीदवार वेब डेवलपर, ऐप डेवलपर, फ्रंट-एंड डेवलपर, बैक-एंड डेवलपर, फुल-स्टैक डेवलपर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, डेटा एनालिस्ट, गेम डेवलपर, मशीन लर्निंग इंजीनियर और क्लाउड इंजीनियर जैसी कई भूमिकाओं में काम कर सकते हैं. इसके अलावा फ्रीलांसिंग, रिमोट जॉब और अपना स्टार्टअप शुरू करने जैसे विकल्प भी तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं. यदि किसी छात्र के पास मजबूत प्रोग्रामिंग स्किल्स, लॉजिकल थिंकिंग, समस्या समाधान की क्षमता और लगातार नई तकनीकें सीखने का जुनून है, तो इस क्षेत्र में करियर की संभावनाएं काफी व्यापक हैं.

शुरुआती स्तर पर भी आकर्षक वेतन मिलने की संभावना रहती है, जबकि अनुभव और विशेषज्ञता बढ़ने के साथ आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है. केवल किसी एक प्रोग्रामिंग भाषा को सीख लेना पर्याप्त नहीं है. सफल करियर के लिए डेटा स्ट्रक्चर, एल्गोरिद्म, डेटाबेस, वर्जन कंट्रोल, क्लाउड टेक्नोलॉजी, साइबर सिक्योरिटी और अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों की समझ भी महत्वपूर्ण होती जा रही है. बदलती तकनीकों के साथ स्वयं को अपडेट रखने वाले पेशेवरों की मांग भविष्य में भी मजबूत रहने की उम्मीद है. इसलिए यदि आप तकनीकी क्षेत्र में लंबी और

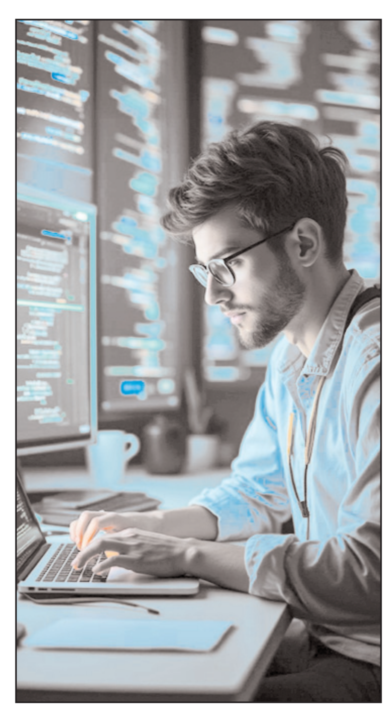

सफल पारी खेलना चाहते हैं, तो कोडिंग को शुरुआत और प्रोग्रामिंग को अपनी विशेषज्ञता बनाने की दिशा में आगे बढ़ना एक समझदारी भरा कदम हो सकता है.

सरकारी नौकरी का सुनहरा अवसर

हवलदार इंस्ट्रक्टर भर्ती शुरू

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने हवलदार इंस्ट्रक्टर भर्ती 2026 के तहत 209 रिक्त पदों को भरने के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है. अधिसूचना जारी होने के साथ ही 19 जून 2026 से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है. सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए यह भर्ती महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि इसमें आवेदन शुल्क बेहद कम रखा गया है और चयनित उम्मीदवारों को राज्य सरकार के अधीन सेवा का अवसर मिलेगा. इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार 9 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. यदि आवेदन पत्र भरते समय किसी प्रकार की गलती हो जाती है, तो अभ्यर्थियों को 16 जुलाई 2026 तक करेक्शन करने की सुविधा भी दी गई है. हालांकि परीक्षा की तिथि और एडमिट कार्ड जारी होने की तारीख फिलहाल घोषित नहीं की गई है. आयोग इन दोनों से संबंधित जानकारी बाद में अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी करेगा. इस भर्ती की सबसे बड़ी खासियत आवेदन शुल्क है. सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के साथ-साथ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और दिव्यांग श्रेणी के सभी उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क मात्र 25 रुपये निर्धारित किया गया है. अभ्यर्थी डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग या मोबाइल वॉलेट के माध्यम से ऑनलाइन शुल्क का भुगतान कर सकते हैं.

आरबीआई की हाई सैलरी भर्ती

आज आवेदन करने की है अंतिम तिथि

भारतीय रिजर्व बैंक ने यंग प्रोफेशनल पदों पर भर्ती के माध्यम से तकनीक और शोध के क्षेत्र में विशेषज्ञ युवाओं को अपने साथ जुड़ने का अवसर दिया है. इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया जारी है और इच्छुक उम्मीदवार 6 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. यह भर्ती उन उम्मीदवारों के लिए विशेष महत्व रखती है, जिन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी, क्वांटम टेक्नोलॉजी, क्लाइमेट फाइनेंस, डेटा एनालिटिक्स या इकोनॉमिक रिसर्च जैसे विषयों में पोस्ट-ग्रेजुएशन किया है. भर्ती के तहत चयनित उम्मीदवारों की नियुक्ति शुरुआती तौर पर तीन वर्ष के अनुबंध के आधार पर की जाएगी. यदि उम्मीदवार का प्रदर्शन संतोषजनक रहता है और संस्थान में आवश्यकता बनी रहती है, तो अनुबंध की अवधि अधिकतम पांच वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है. इस दौरान उम्मीदवारों को हर महीने 1.5 लाख रुपये का आकर्षक पारिश्रमिक मिलेगा, जो इसे देश की प्रमुख प्रोफेशनल भर्तियों में शामिल करता है.

आरबीआई का उद्देश्य उभरती तकनीकों और आधुनिक आर्थिक चुनौतियों के अनुरूप विशेषज्ञ प्रतिभाओं को अपने साथ जोड़ना है. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों का उपयोग अब वित्तीय प्रणाली को अधिक सुरक्षित, कुशल और तकनीक-सक्षम बनाने में तेजी से बढ़ रहा है. ऐसे में इन विषयों में विशेषज्ञता रखने वाले युवाओं के लिए यह भर्ती करियर का महत्वपूर्ण अवसर साबित हो सकती है.

इस भर्ती में चयनित उम्मीदवारों को केवल बेहतर वेतन ही नहीं, बल्कि देश की वित्तीय और मौद्रिक नीतियों से जुड़े महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स पर काम करने का अनुभव भी मिलेगा. इससे उनके पेशेवर कौशल में वृद्धि होगी.